Under CSR Support by Ipca Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

बहुविकल्पी प्रश्न

1. नरेगा-2005 के अन्तर्गत वे सभी व्यक्ति जो सक्षम हैं तथा जिन्हें रोजगार की आवश्यकता है कितने दिन के रोजगार गांरटी का प्रावधान है।

(अ) सरकार द्वारा एक वर्ष में 150 दिनों का रोजगार
(ब) सरकार द्वारा एक वर्ष में 100 दिनों का रोजगार
(स) सरकार द्वारा एक वर्ष में 200 दिनों का रोजगार
(द) इनमें से कोई नहीं

2. इनमें से कौन प्राथमिक क्षेत्रक में सम्मिलित नहीं हैं?

(अ) कुटीर उद्योग
(ब) मत्स्यन
(स) डेयरी
(द) कृषि

3. निम्नलिखित में से कौन-सा प्राथमिक क्षेत्रक के कार्य में संलग्न नहीं है?

(अ) कृषक
(ब) उद्यान कृषि
(स) दर्जी
(द) मत्स्य

4. बेरोजगारी के क्षेत्र में संरचनात्मक बेरोजगारी का क्या कारण हैं?

(अ) भारी उद्योग की अभिनति
(ब) अपर्याप्त उत्पादन क्षमता
(स) अवस्फीति की अवस्था
(द) कच्चे माल की कमी

5. भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में किस क्षेत्रक का योगदान कम हैं?

(अ) द्वितीयक क्षेत्र
(ब) प्राथमिक क्षेत्र
(स) बाहरी क्षेत्र
(द) तृतीयक क्षेत्र

6. रेलवे और डाकघर उदाहरण हैं-

(अ) मिश्रित क्षेत्र
(ब) सार्वजनिक क्षेत्र
(स) निजी क्षेत्र
(द) सभी विकल्प सही हैं

7. इनमें से कौन-सा क्षेत्र असंगठित क्षेत्र में शामिल नहीं हैं?

(अ) सड़क पर सामान बेचने वाला
(ब) बैंक कर्मी
(स) रिक्शे वाला
(द) दैनिक मजदूर

8. बैंक कर्मी को अर्थव्यवस्था की दृष्टि से किस क्षेत्र में सम्मिलित किया जाता हैं?

(अ) प्राथमिक क्षेत्र
(ब) बाहरी क्षेत्र
(स) द्वितीयक क्षेत्र
(द) तृतीयक क्षेत्र

9. 2003 में सबसे अधिक रोजगार प्रदान करने वाला क्षेत्र कौन-सा था?

(अ) तृतीयक
(ब) प्राथमिक
(स) द्वितीयक
(द) सभी विकल्प सही हैं

मिशन ज्ञान पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें! 100% FREE! Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES Download Mission Gyan App

10. निम्न में से कौन-सा कामगार है?

(अ) अनियमित मजदूर
(ब) स्वनियोजित व्यक्ति
(स) नियमित तथा वेतन पाने वाला कर्मचारी
(द) सभी विकल्प सही हैं

रिक्त स्थान :

11. कपास एक .... उत्पाद है और कपड़ा एक .... उत्पाद है।

12. .... क्षेत्रक के अधिकांश श्रमिकों को रोजगार सुरक्षा प्राप्त होती है।

सत्य / असत्य

13. कृषि को द्वितीयक क्षेत्रक में सम्मिलित किया जाता है।

14. तृतीयक क्षेत्र का योगदान जी.डी.पी. विकसित देशों में सर्वाधिक होता है।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. संगठित क्षेत्र की दो विशेषताएँ बताइए?

16. रोजगार गारन्टी अधिनियम किस वर्ष लागू किया गया ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. भारत में सेवा क्षेत्रक दो विभिन्न प्रकार के लोग नियोजित करते हैं। ये लोग कौन हैं?

18. आर्थिक गतिविधियाँ रोजगार की परिस्थितियों के आधार पर कैसे वर्गीकृत की जाती हैं?

निबंधात्मक प्रश्न

19. आर्थिक गतिविधियों के तीन क्षेत्रक कौन-कौन से हैं? सोदाहरण समझाइए।

20. असंगठित कार्य क्षेत्र से आप क्या समझते है? इसकी किन्हीं तीन समस्याओं को लिखिए।

HOTS

21. "आप एक संगठित क्षेत्र के कर्मचारी हैं।" असंगठित क्षेत्र के किसी कर्मचारी की अपेक्षा आप को कौन से लाभ प्राप्त होगें?

मिशन ज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

1. (ब) सरकार द्वारा एक वर्ष में 100 दिनों का रोजगार
2. (अ)
   प्राथमिक क्षेत्र में कुटीर उद्योग सम्मिलित नहीं है।
3. (स)
   दर्जी का कार्य प्राथमिक क्षेत्रक में शामिल नहीं हैं।
4. (ब) संरचनात्मक बेरोजगारी का मुख्य कारण अपर्याप्त उत्पादन क्षमता का होना है।
5. (अ)
   भारत की राष्ट्रीय आय में द्वितीयक क्षेत्र का योगदान सबसे कम हैं।
6. (ब) सार्वजनिक क्षेत्र
7. (ब)
   बैंक कर्मी असंगठित क्षेत्र में शामिल नहीं हैं।
8. (द)
   बैंक कर्मी को तृतीयक क्षेत्रक में शामिल किया जाता हैं।
9. (ब)
   प्राथमिक
10. (द) सभी विकल्प सही हैं
11. प्राकृतिक, विनिर्मित
12. संगठित
13. असत्य
14. सत्य
15. संगठित क्षेत्र की दो विशेषताएँ निम्नलिखित है :-
    i. निश्चित वेतन
    ii. निश्चित कार्य समय
    iii. मजदूरों को अधिकार भी प्राप्त होते है।
16. रोजगार गारन्टी अधिनियम वर्ष 2005 में लागू किया गया।
17. **भारत में सेवा क्षेत्रक दो विभिन्न प्रकार के लोग नियोजित करते हैं। ये लोग हैं-**
    i. प्रथम वर्ग में वे लोग आते हैं जिनकी सेवाएँ प्रत्यक्ष रूप से वस्तुओं के उत्पादन में सहायता करती हैं। यह सहायता प्राथमिक एवं द्वितीयक दोनों ही क्षेत्रकों को प्राप्त होती है। उदाहरण के लिए प्राथमिक एवं द्वितीयक क्षेत्रकों द्वारा उत्पादित वस्तुओं को थोक एवं खुदरा विक्रेताओं को बेचने के लिए परिवहन के साधनों- ट्रक व रेलगाड़ियों की आवश्यकता होती है तथा वस्तुओं के भण्डारण के लिए गोदामों की आवश्यकता होती है। टेलीफोन पर वार्ता उत्पादन एवं व्यापार में सहायक होती है और संवाद बैंकों से ऋण सुविधाएँ लेने के लिए आवश्यक हैं।
    ii. द्वितीय वर्ग में कुछ ऐसे सेवा प्रदाता आते हैं जो प्रत्यक्ष रूप से वस्तुओं के उत्पादन में सहायता नहीं करते। शिक्षक, डॉक्टर, धोबी, नाई, मोची, वकील, प्रशासन व लेखाकर्मियों की सेवाएँ इसी वर्ग में आती हैं। वर्तमान में सूचना प्रौद्योगिकी पर आधारित कुछ नवीन सेवाएँ जैसे इण्टरनेट कैफे, ए.टी.एम. बूथ, कॉल सेण्टर, सॉफ्टवेयर कम्पनी आदि भी महत्त्वपूर्ण हो गई हैं।
18. अर्थव्यवस्था में गतिविधियाँ रोजगार की परिस्थितियों के आधार पर संगठित एवं असंगठित क्षेत्रकों में वर्गीकृत की जाती हैं-
    i. **संगठित क्षेत्रक -** संगठित क्षेत्रक में वे उद्यम अथवा कार्य स्थान आते हैं, जहाँ रोजगार की अवधि नियत होती है और इसलिए लोगों के पास सुनिश्चित काम होता है। ये क्षेत्रक सरकार द्वारा पंजीकृत होते हैं एवं उन्हें राजकीय नियमों व विनियमों का अनुपालन करना होता है। इन नियमों व विनियमों का अनेक विधियों; जैसे-कारखाना अधिनियम के निश्चित मजदूरी अधिनियम, सेवानुदान अधिनियम, दुकान एवं प्रतिष्ठान अधिनियम आदि में उल्लेख किया गया है। यह क्षेत्रक संगठित क्षेत्रक इसलिए कहा जाता है, क्योंकि इसकी कुछ औपचारिक प्रक्रिया एवं क्रियाविधि होती है। इस क्षेत्रक में रोजगार सुरक्षित होता है, काम के घण्टे निश्चित होते हैं, अतिरिक्त कार्य के लिए अतिरिक्त वेतन मिलता है। कर्मचारियों को कार्य के दौरान एवं सेवानिवृत्ति के बाद भी अनेक सुविधाएँ मिलती हैं।

मिशन ज्ञान पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

ii. **असंगठित क्षेत्रक -** असंगठित क्षेत्रक में वे छोटी-छोटी और बिखरी इकाइयाँ शामिल होती हैं जो अधिकांशतः सरकारी नियन्त्रण से बाहर होती हैं। यद्यपि इस क्षेत्रक के नियम और विनियम तो होते हैं परन्तु उनका पालन नहीं होता है। ये अनियमित एवं कम वेतन वाले रोजगार होते हैं। इनमें सवेतन छुट्टी, अवकाश, बीमारी के कारण छुट्टी आदि का कोई प्रावधान नहीं होता है और न ही रोजगार की सुरक्षा होती है। श्रमिकों को बिना किसी कारण काम से हटाया जा सकता है।

19. धन कमाने के उद्देश्य से की जाने वाली गतिविधियों को आर्थिक गतिविधियाँ कहा जाता है। आर्थिक गतिविधियों को तीन मुख्य क्षेत्र में वर्गीकृत किया जा सकता है:

i. **प्राथमिक क्षेत्र :** इस क्षेत्र में प्राकृतिक संसाधनों के प्रत्यक्ष उपयोग से संबंधित गतिविधियों का अध्ययन किया जाता है। उदाहरण के लिए, कपास, दूध, खनिज और अयस्क जैसे प्राकृतिक उत्पाद इस श्रेणी में आते हैं। इसे प्राथमिक क्षेत्र कहा जाता है क्योंकि यह उन सभी उत्पादों का आधार है, जिन्हें हम बाद में विभिन्न रूपों में निर्मित करते हैं।

ii. **द्वितीयक क्षेत्र :** इस क्षेत्र में वे गतिविधियाँ शामिल होती हैं, जिनमें प्राकृतिक उत्पादों को विभिन्न रूपों में परिवर्तित किया जाता है। यहाँ वस्तुएँ प्राकृतिक रूप से नहीं, बल्कि निर्माण प्रक्रिया के माध्यम से तैयार की जाती हैं। उदाहरण के लिए, कपास के रेशे का उपयोग करके सूत कातना, गन्ने से चीनी या गुड़ बनाना, और मिट्टी से ईटों और भवनों का निर्माण करना। यह प्राथमिक क्षेत्र के बाद का चरण है।

iii. **तृतीयक क्षेत्र :** यह क्षेत्र प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्र के विकास में सहायक गतिविधियों को दर्शाता है। ये गतिविधियाँ सीधे वस्तुओं का उत्पादन नहीं करतीं, बल्कि वस्तुओं के उत्पादन को सुगम बनाने में मदद करती हैं। परिवहन, भंडारण, संचार, बैंकिंग सेवाएँ और व्यापार इस क्षेत्र के उदाहरण हैं।

तृतीयक क्षेत्र में कुछ ऐसी सेवाएँ भी शामिल हैं जो सीधे वस्तुओं के उत्पादन में सहायता नहीं करतीं, जैसे कि शिक्षक, डॉक्टर, धोबी, नाई, मोची, वकील, प्रशासक, और लेखाकार। वर्तमान समय में, सूचना प्रौद्योगिकी पर आधारित सेवाएँ जैसे इंटरनेट कैफे, ए.टी.एम. बूथ, कॉल सेंटर और सॉफ्टवेयर कंपनियाँ भी महत्वपूर्ण हो गई हैं।

इस प्रकार, ये तीनों क्षेत्र एक साथ मिलकर आर्थिक गतिविधियों की व्यापक संरचना को बनाते हैं, जिससे समाज का विकास और समृद्धि संभव होती है।

20. असंगठित क्षेत्र में वे छोटी-छोटी और बिखरी इकाइयाँ शामिल होती हैं, जो अधिकांशतः सरकारी नियंत्रण से बाहर होती हैं। यद्यपि इस क्षेत्र के लिए कुछ नियम और विनियम होते हैं, परन्तु उनका पालन अक्सर नहीं किया जाता। ये अनियमित और कम वेतन वाले रोजगार होते हैं, जहाँ सवेतन छुट्टी, अवकाश, या बीमारी के कारण छुट्टी का कोई प्रावधान नहीं होता और रोजगार की सुरक्षा भी नहीं होती। श्रमिकों को बिना किसी कारण काम से निकाला जा सकता है। असंगठित क्षेत्र की मुख्य समस्याएँ और समाधानः

i. **मजदूरी :** असंगठित क्षेत्र में पुरुष और महिला श्रमिकों को कम और असमान मजदूरी दी जाती है, जो कि अनुचित है। दोनों को उचित और समान मजदूरी मिलनी चाहिए। इसके अलावा, उन्हें अन्य भत्ते (जैसे परिवहन, शिक्षा, चिकित्सा, आवास) भी मिलने चाहिए। उनकी मजदूरी में वार्षिक वृद्धि होनी चाहिए, और सरकार द्वारा घोषित महँगाई भत्ते की किस्त भी प्रदान की जानी चाहिए।

ii. **सुरक्षा :** सभी श्रमिकों और कर्मचारियों को रोजगार की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। कोई भी नियोक्ता उन्हें मनमाने तरीके से नौकरी से निकाल नहीं सकता। नौकरी से निकालने की प्रक्रिया नियमानुसार होनी चाहिए और कर्मचारियों को इसके लिए उचित क्षतिपूर्ति प्रदान की जानी चाहिए। इसके अलावा, कारखानों के भीतर काम करते समय या काम पर आते-जाते समय होने वाली दुर्घटनाओं के लिए भी उन्हें क्षतिपूर्ति मिलनी चाहिए।

iii. **स्वास्थ्य :** सभी श्रमिकों और कर्मचारियों को सेवा काल के दौरान और सेवानिवृत्ति के बाद स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध करानी चाहिए, जैसे नर्सों और डॉक्टरों की सेवाएँ और चिकित्सा सुविधाएँ।

इन उपायों को अपनाकर असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों का संरक्षण किया जा सकता है, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार और कार्य परिस्थितियों में वृद्धि संभव हो सके।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
VIDEO COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

21. यदि हम संगठित क्षेत्र के कर्मचारी हैं, तो असंगठित क्षेत्र के किसी कर्मचारी की अपेक्षा हमें निम्नलिखित लाभ प्राप्त होगें :-

i. काम के निश्चित घंटे होगें।

ii. निश्चित समय से अधिक काम करने पर अतिरिक्त आय प्राप्त होगी।

iii. चिकित्सा सुविधाएँ व पेंशन सुविधा मिलेगी।

iv. सवेतन अवकाश, भविष्य निधि का सेवानुदान मिलेगा।

v. कार्य स्थल पर उचित वातावरण व न्यूनतम सुविधाएँ प्राप्त होगी।

vi. अनुचित शोषण नहीं होगा।

मिशन ज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App